Farm Service Centres

2267. Shri G. S. Mishra: Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether any scheme of 'Farm Service Centres' is being included in Fourth Five Year Plan;

(b) if so, what would be the expenditure involved in implementation of this scheme; and

(c) whether such a scheme will also be introduced in private sector?

The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Annasahib Shinde): (a) A scheme known as "Machine Service Centres" is under the consideration of the Government of India The objective of the Scheme is to give servicing and repairing facilities to the farmers for their equipment and make available costly agricultural machines like tractors, power tillers, power sprayers, diesel/petrol oil engines etc. on hire

(b) and (c). The details are yet to be finalised

धान तथा गेहूं की उपज मे वृद्धि

2268. श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : क्या खाद्य तथा कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) पिछले पन्द्रह वर्षों मे धान तथा गेहू की प्रति एकड उपज में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है; और

(ख) यथासम्भव प्रति एकड पैदावार बढाने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिंदे) : (क) कृषि उत्पादन के सूचकांकों के आधार पर 1950–51 तथा 1965 66 के बीच की अवधि में धान (चावल के रूप में) तथा गेहूं की प्रति एकड़ उपज में क्रमश: 22.4 तथा 19.7 प्रतिशत वृद्धि हुई।

(ख) तीसरी योजना की अवधि के शुरू से ही प्रति एकड़ उपज बढाने के उद्देश्य से चुने हुए जिलों में सघन कृषि विकास कार्यक्रम चल रहे हैं। हाल ही में इस दिशा मे एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है जिसके अनुसार 1966–67 के आरम्भ से देश के कुछ चुने हुए क्षेत्रों मे अधिक उत्पादनशील किस्मो का कार्यक्रम शुरू किया गया है। धान, गेहू, ज्वार, बाजरे तथा मक्का की इन किस्मों मे परम्परागत किस्मों की तुलना में अधिक उत्पादन होता है। चतुर्थ योजना के अन्त तक इन अधिक उत्पादनशील किस्मो के कार्यक्रम के अन्तर्गत 125 लाख एकड भूमि लाने का विचार है जिसमें से लगभग 125 लाख एकड़ भूमि में धान तथा 80 लाख एकड़ भूमि मे गेहू बोया जायेगा। आशा है कि चालू वर्ष (1967–68) की अवधि मे अधिक उत्पादनशील किस्मो के कार्यक्रम के अन्तर्गत लगभग 61.6 लाख एकड भूमि में धान तथा 45.6 लाख एकड़ भूमि मे गेहू बोया जायेगा। अधिक उत्पादनशील किस्मो के कार्यक्रम की सफलता के लिए कृषको को प्रमाणित सुधरी किस्म के बीज, उर्वरक, कीटनाशक औषधियो तथा ऋण देने के लिए व्यवस्था की जा रही है।

वास्कोडिगामा पत्तन के कर्मचारी

2270. श्री ओ० प्र० त्यागी : क्या परिवहन तथा नौवहन मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) गोआ के वास्कोडिगामा पत्तन न्यास मे कितने मजदूर काम करते हैं ;

(ख) वे किन किन राज्यों के है; और

(ग) सरकार ने उनके लिये मकानो की तथा उनके बच्चों के लिये शिक्षा की क्या व्यवस्था की है ?